01.04.2020 से 31.03.2021 के दौरान राजभाषा संबंधी गतिविधियाँ

अनुवाद कार्य

दूरभाष निर्देशिका, पाठ्यक्रम अभिलेख, प्रदत्त उपाधियों का अभिलेख, अनंतिम प्रमाण पत्र, उपाधि प्रमाण पत्र तथा अन्य सभी प्रकार के प्रमाण-पत्र जैसे प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र / योग्यता प्रमाण पत्र आदि हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी रूप में ही तैयार, मुद्रित और जारी किए गए। संस्थान पुस्तिका, वार्षिक रिपोर्ट 2019-2020 हिंदी में मुद्रित की। प्रशासनिक तथा अन्य विभागों में प्रयोग किए जाने वाले मानक प्रपत्रों का द्विभाषीकरण किया गया। परिचय कार्ड, नामपट्ट तथा रबड़ की मुहरें द्विभाषी रुप में तैयार की गईं।

हिंदी कार्यशालाएं

आईआईएसटी, वलियमला में चार हिंदी कार्यशालाएं – कार्यपालकों के लिए **जून 29, 2020** को, संकाय सदस्यों के लिए **सितंबर 25, 2020** को, प्रशासनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए **दिसंबर 23, 2020** को तथा तकनीकी क्षेत्र के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए **फरवरी 18, 2021** को आयोजित कीं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

आईआईएसटी, वलियमला में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार तिमाही बैठक 29.06.2020, 24.09.2020, 24.12.2020, 23.03.2021 को ऑनलाइन रूप से आयोजित कीं और संस्थान में हिंदी के प्रभागी प्रयोग से संबंधित चार तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग को भेज दी। इन बैठकों में राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने पर जोर दी गई और इसके लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्णय लिए गए ।

जाँच बिंदुओं की स्थापना

राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 और राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर जारी किए जाने वाले संबंधित आदशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जाँच बिंदु पुनः स्थापित किए गए।

प्रोत्साहन योजना

हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन योजना जारी रखी गई।

हिंदी वार्तालाप कक्षा का आयोजन

तकनीकी क्षेत्र के कार्मिकों के लिए **फरवरी 18, 2021** को हिंदी वार्तालाप कक्षा का (मौखिक हिंदी) संचालन किया गया। श्री. आर. जयपाल वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, आईआईएसटी डेढ़ घंटे का एक सत्र का संचालन किया ।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2020 का आयोजन

हिंदी पखवाड़ा समारोह संस्थान में सितंबर महीने के दूसरे सप्ताह से मनाया गया। कर्मचारियों के लिए हिंदी टंकण, हिंदी निबंध लेखन, तस्वीर क्या बोलती है प्रतियोगिताएं और संस्थान के छात्रों के लिए निबंध लेखन, तस्वीर क्या बोलती है, हिंदी गीत गायन, हिंदी कविता पाठ जैसी विविध प्रतियोगिताएं चलाई गईं। इन सभी प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान कोविड - 19 से संबंधित दिशा निर्देशों का पालन किया गया। प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

आईआईएसटी हिंदी गृह पत्रिका 'अंतरिक्ष धाराएं' - तीसरा अंक का ऑनलाइन विमोचन

हिंदी पखवाड़े के दौरान आईआईएसटी की हिंदी गृह पत्रिका **अंतरिक्ष धाराएं'** के तीसरे अंक का ऑनलाइन विमोचन किया गया। ई-पत्रिका में आईआईएसटी के छात्रों एवं कार्मिकों के लेख, कविताएं तथा अंतरिक्ष विभाग / इसरो के इतर केंद्रों / यूनिटों के कर्मचारियों से तकनीकी लेख और विविधता से भरे रोचक कृतियों का समावेश किया गया है ।

आई टी सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा

संस्थान की आई टी सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने के लिए दिसंबर 18, 2020 से कोइन्स सुविधा लागू की गई है। अब क्रय आदेश तथा इतर दस्तावेज़ जो राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आते हैं, द्विभाषी रूप में तैयार किए जाते हैं।

संस्थान परिसर के वृक्षों का नाम त्रिभाषी रूप में प्रदर्शन

संस्थान परिसर के बड़े वृक्षों के वानस्पतिक नाम, स्थानीय नाम, हिंदी तथा अंग्रेजी नाम प्रदर्शित करते हुए 50 नाम पट्ट लगाए गए।

संस्थान को राजभाषा अधिनियम 1976 के नियम 10 (4) के अधीन हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्यालय के रूप में अधिसूचित किया जाना

संस्थान में हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की प्रतिशतता 80 के ऊपर है। अत: संस्थान को अब राजभाषा अधिनियम 1976 के नियम 10 (4) के अधीन हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्यालय के रूप में अधिसूचित किया गया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित संयुक्त राजभाषा उत्सव में भागीदारी

आईआईएसटी, वलियमला, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय - 2), तिरुवनंतपुरम के सदस्य कार्यालय है और इनके क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेता है। इसके तत्वावधान में आयोजित **संयुक्त राजभाषा उत्सव** में संस्थान के कर्मचारियों ने ऑनलाइन रूप से भाग लिया। हिंदी अनुभाग के कार्मिकों ने 15 जनवरी, 2021 को आयोजित राज्य स्तरीय इंटर टॉलिक ऑनलाइन तकनीकी संगोष्ठी में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न ई-उपकरण जैसे कंठस्थ, प्रवाचक, प्रवाह, मंत्रा आदि से परिचित कराना था।